5

दृष्टि The Vision

drishti

Drishti Mentorship Program Mains-2023

निबंध (ESSAY)

निर्धारित समय: 3 घंटे Time allowed: 3 Hours	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: रजनीश पटेल Mobile Number: _____

Medium (English/Hindi): हिन्दी Email: _____

Center & Date: मुखर्जी नगर UPSC Roll No.: 0830286

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		60
खंड-B Section-B		—
सकल योग (Grand Total)		60

E-671

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

* संदर्भ दक्षता व विषयवस्तु दक्षता अच्छी है।
* निबंध से संबंधित भूमिका व निष्कर्ष लेखन अच्छा है।
* भाषा स्पष्ट व पठनीय है।
* ग्राफ्स को और प्रभावी बनाने हेतु निबंध को बड़े पैराग्राफ्स में लिखें
* सभी निबन्धों को लिखने का प्रयास करें।
* निबन्ध लेखन का अभ्यास करते रहें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खण्ड-A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खेल चरित्र का निर्माण नहीं करते हैं। वे इसे प्रकट करते हैं।
(Sports do not build character, They reveal it)

हमने कई बार गलत आउट दिए जाने के बाद सचिन को मुस्कुराकर क्रिकेट के मैदान से बाहर जाते देखा है इसी तरह विपरीत से विपरीत स्थितियों में भी महेन्द्र सिंह धोनी को शांतचित्त रहते देखा है। अन्य खेलों का संदर्भ लें तो टेनिस खिलाड़ी फेडरर की सदाबहारी मुस्कान के हम सभी फैन हैं ही। हार-जीत और खेल कौशल से परे ये बातें इन व्यक्तियों के चरित्र का ही तो प्रदर्शन करती हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इस चरित्र प्रदर्शन में खेल स्थितियों का सृजन करके उत्प्रेरक की भूमिका का निर्वाह करता है। अब अगला सवाल यह है कि इस चरित्र प्रकटीकरण में खेल सिर्फ उत्प्रेरक ही है या यह चरित्र निर्माण में भी भूमिका निभाता है?

अक्सर टेलीविजन पर हमने कमेंटेटरों को यह कहते सुना है कि "आज के खेल में अमुक खिलाड़ी ने अपने कैरेक्टर (चरित्र) का शानदार प्रदर्शन किया।" आगे बढ़ने से पहले इस 'चरित्र' शब्द पर ही थोड़ी बात कर लेते हैं। चरित्र से आशय वस्तुतः विभिन्न परिस्थितियों में किसी व्यक्ति की अनुक्रियात्मक प्रवृत्तियों के समूह से है। कोई व्यक्ति बहुत खुश होने पर कैसी प्रतिक्रिया देता है, दुःख में वह अपने आपको कैसे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संभालता है या फिर संकट के समय स्वयं को किस तरह उबारता है, ये सब उसके चरित्र को निर्धारित करते हैं।

चरित्र या तो सकारात्मक होता है या नकारात्मक। यदि किसी व्यक्ति का कार्य व्यवहार सामाजिक मानदंडों, नैतिक आदर्शों और परिपाटियों के अनुरूप है तो उसके चरित्र को अच्छा समझा जाता है वहीं इसके विपरीत होने पर चरित्र को गलत समझा जाता है। सचिन तेंदुलकर, महेन्द्र सिंह धोनी, लियोनेल मेसी और भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल को सामान्यतः हम उनके अच्छे चरित्र प्रदर्शन के लिए याद करते हैं तो वहीं खिलाड़ियों द्वारा मार-पीट, गाली-गलौज आदि गतिविधियों को खराब चरित्र के साथ जोड़कर देखा जाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अब इस बात की चर्चा करते हैं कि क्या खेल चरित्र को प्रकट करते हैं और यह प्रकटीकरण खेल के माध्यम से कैसे होता है? वस्तुतः खेल में 'जीतने और बने रहने की इच्छा' ही सर्वप्रमुख होती है। खेल में हर पल की गलाकाट प्रतिस्पर्द्धा खिलाड़ी के व्यक्तित्व के स्वाभाविक पक्ष को सामने लाती है। खेल में मस्तिष्क एवं कौशल की सर्वप्रमुख भूमिका होती है इसमें कोई दो राय नहीं है किंतु इस प्रक्रिया में खिलाड़ी भावनात्मक रूप से गहराई से जुड़ा होता है और इन्हीं भावनाओं के सहारे चरित्र का प्रदर्शन होता है।

एक खिलाड़ी जब टीम में जगह बनाने के लिए संघर्षरत होता है तो उसके अनुशासन, धैर्य एवं दृढ़संकल्प का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

परीक्षण होता है। जब वह खेल में क्षतिग्रस्त होता है तो विरोधी पक्ष पर मनोवैज्ञानिक बढ़त लेने की उसकी क्षमता, स्वयं के कौशल पर विश्वास, विपरीत स्थितियों में भी अपने खेल के स्तर को बनाए रखने की चुनौती शामिल होती है। खेल के मैदान में भीड़ द्वारा ललकारे जाने पर, विरोधियों द्वारा क्रोध दिलाए जाने पर और इसी तरह की अन्य परिस्थितियों में खिलाड़ी अलग-अलग प्रतिक्रिया करते हैं और इस प्रकार उनका चरित्र प्रकटीकरण होता है।

जीत के बाद एक खिलाड़ी विरोधी को चिढ़ाता है तो वहीं कई खिलाड़ी ऐसे भी होते हैं जो जीतने के बावजूद विरोधी पक्ष की क्षमताओं की तारीफ करते हैं। यह सब चरित्र का प्रकटीकरण ही तो है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अगली चर्चा इस बात की करते हैं कि क्या खेल सिर्फ चरित्र प्रकटीकरण ही करते हैं या चरित्र निर्माण में भी उनकी कोई भूमिका होती है? वैसे तो चरित्र निर्माण की प्रक्रिया बचपन से ही शुरू हो जाती है। परिवार, मित्र समूह एवं शैक्षिक संस्था आदि मिलकर हमें बहुत से चारित्रिक कौशल से युक्त करते हैं, ये हमारी अभिवृत्तियों का सृजन करते हैं, हमारे नैतिक आयामों को निर्धारित करते हैं। अतः एक तरह से कहा जा सकता है कि चरित्र हम पहले से ही लेकर आते हैं, खेल में यही प्रकटीकरण मात्र होता है।

उपर्युक्त बात को पूरी तरह स्वीकार भी नहीं किया जा सकता क्योंकि जब एक कोच एक खिलाड़ी को समझाते हुए कहता है कि — "जीत खेल

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के मैदान में नहीं बल्कि खिलाड़ी के दिमाग में होती है।" तो यह चरित्र निर्माण ही तो है। इसी तरह खेल हमारी चारित्रिक विशेषताओं में अनुशासन, प्रतिस्पर्द्धी व्यक्तित्व, आत्मविश्वास आदि का सृजन करता है।

आज बड़ी-बड़ी खेल संस्थाएं अपने खिलाड़ियों के चारित्रिक पहलू को ही ध्यान में रखते हुए टीम के साथ मनोवैज्ञानिक रखने लगी हैं, खिलाड़ियों के आचरण की संहिताओं का निर्माण हुआ है और कई स्तर पर खिलाड़ियों के चरित्र को परिभाषित भी किया जा रहा है। इन सबको एक संदर्भ में चरित्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़कर देखा जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कुल मिलाकर यह कह सकते हैं कि खेल जितना चरित्र प्रकटीकरण का माध्यम है उतना चरित्र निर्माण का नहीं। यदि खेल सभी खिलाड़ियों के चरित्र का निर्माण करते तो श्रीशांत जैसा खिलाड़ी मैच फिक्सिंग न करता, हर ओलम्पिक से पहले सैकड़ों खिलाड़ी डोप टेस्ट में असफल न होते। चरित्रों का प्रकटीकरण निश्चित रूप से खेल का स्वाभाविक परिणाम है। इसे एक ही जैसी स्थिति में अलग-अलग खिलाड़ियों की अलग-अलग प्रतिक्रियाओं से सिद्ध किया जा सकता है। किसी खास स्थिति में सचिन तेंदुलकर की प्रतिक्रिया जरूरी नहीं कि विराट कोहली से मिले। यह चरित्रों का अलग-अलग प्रकटीकरण ही तो है।

शीर्षक की मांग के अनुरूप अच्छा निबंध लिखा गया है।

60/125

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खण्ड-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

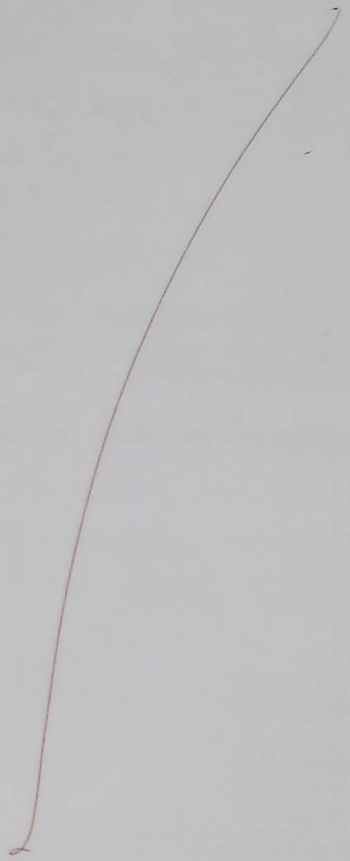

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

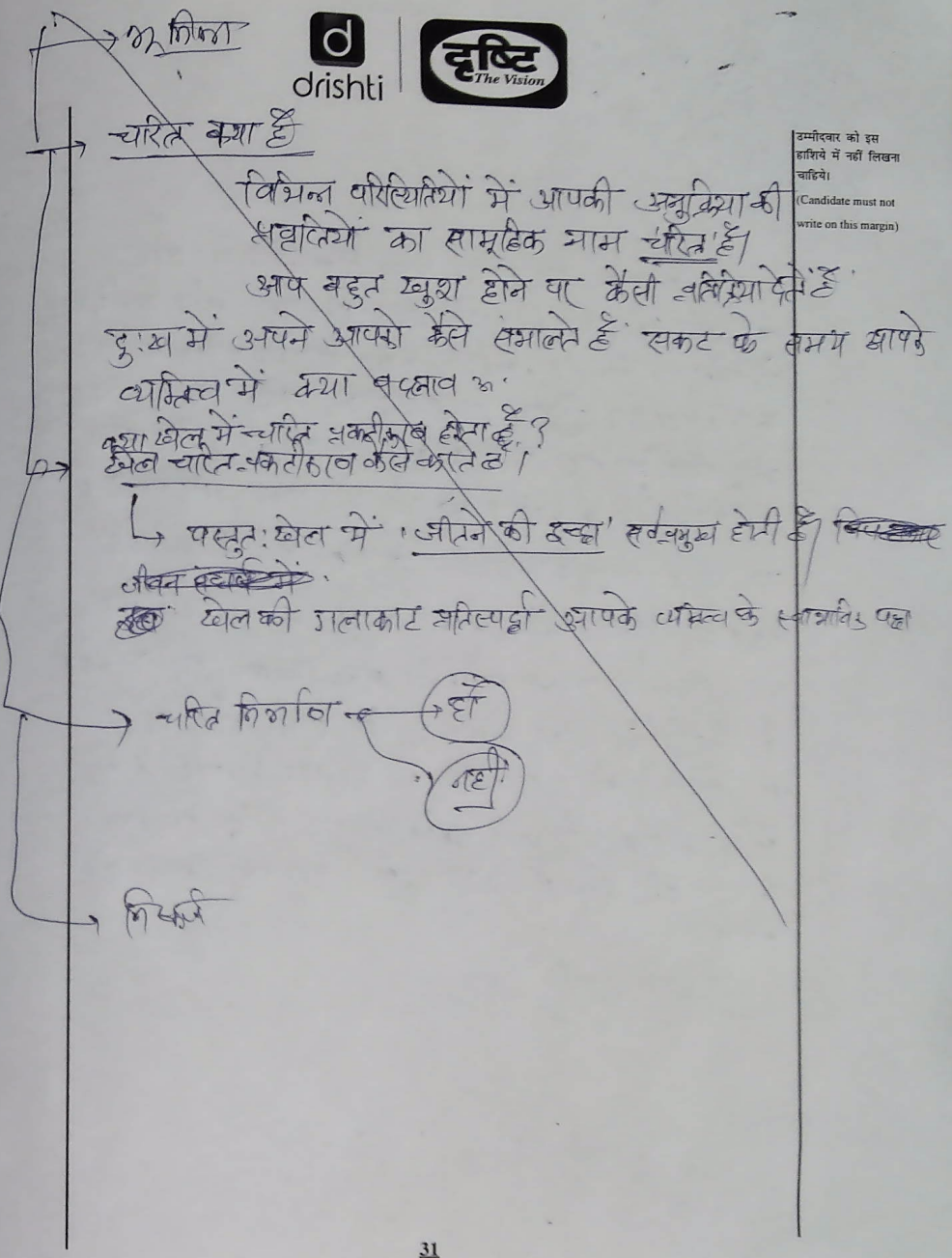

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

गलत आउट दिए जाने के बाद सचिन का मुस्कुराकर क्रिकेट के मैदान से बाहर जाना हो या फिर, अत्यंत विपरीत स्थितियों में महेन्द्र सिंह धोनी का शांतचित्त बने रहना यह व्यक्ति के चरित्र का प्रकटीकरण ही तो है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसे कई बार गलत आउट दिए जाने के बाद सचिन को मुस्कुराकर क्रिकेट के मैदान से बाहर जाते हुए देखा है। अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में भी महेन्द्र सिंह धोनी को शांतचित्त रहने को रहना या फिर फेडरर का हार जीत से परे सदा मुस्कुराता चेहरा हो, ये सब इन खिलाड़ियों के चरित्र को ही तो प्रकट करते हैं। हार-जीत और खेल कौशल से परे इन खिलाड़ियों को इस चारित्रिक कौशल का प्रदर्शन भी इन खेलों को आकर्षण प्रदान करता है। ~~अतः यह~~ इन व्यक्तियों के चरित्रों को इतने स्पष्ट रूप से प्रकट करने का श्रेय तो खेल को ही जाता है। अतः यह बात निष्पद है कि खेल चरित्र को प्रकट करते हैं किंतु वे इसका निर्माण भी करते हैं अथवा नहीं, इस पर विमर्श हो सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation